आईसीएआर–सीएसएसआरआई में विश्व मृदा दिवस मनाया गया

करनाल, 5 दिसंबर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में आज विश्व मृदा दिवस का आयोजन "स्वस्थ मृदा, स्वस्थ शहर' थीम पर मनाया गया। यह कार्यक्रम इंडियन सोसाइटी ऑफ सोइल साइंस–करनाल चैप्टर इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉइल साइंस एंड वाटर क्वालिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आर. के. यादव, निदेशक, आईसीएआर–सीएसएसआरआई, करनाल ने अपने संबोधन में रसोई से उत्पन्न होने वाले जैविक कचरे के वैज्ञानिक पुनर्चक्रण तथा कम्पोस्टिंग की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रसोई कचरे का सुरक्षित एवं प्रभावी प्रबंधन न केवल मृदा में कार्बनिक पदार्थ बढ़ाता है, बल्कि शहरी क्षेत्रों में पर्यावरण प्रदूषण को भी कम करता है। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य सुधार के वैज्ञानिक उपायों तथा "स्वस्थ मृदा, स्वस्थ शहर" अवधारणा की प्रासंगिकता पर जोर दिया।

डॉ. ए. के. राय ने धातु विषाक्तता (मेटल टॉक्सिसिटी) से निपटने हेतु उपयुक्त प्रबंधन विधियों पर अपने विचार रखें और बताया कि कैसे वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से प्रदूषित मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सकता है।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. बी. एल. मीणा, प्रधान वैज्ञानिक एवं सचिव, करनाल चैप्टर द्वारा किया गया। उन्होंने विश्व मृदा दिवस के अवसर पर आयोजित गतिविधियों, मृदा स्वास्थ्य जागरूकता, प्रदर्शनी, तकनीकी व्याख्यान तथा मृदा संरक्षण संदेशकृकी विस्तृत जानकारी दी।

अंत में डॉ. आशिम दत्ता, वरिष्ठ वैज्ञानिक, ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों, छात्रों व प्रतिभागियों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।